प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 7

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हर मनुष्य या समाज या राज्य के लिए कुछ गहराई का होना और कहीं-न-कहीं उसकी जड़ें होना आवश्यक है। जब तक उनकी जड़ अतीत में न हो तब तक उनकी कोई गिनती नहीं होती और अतीत आखिर पीढ़ियों के अनुभव और कई प्रकार की समझ-बूझ का संचय है। आपके पास इसका होना जरूरी है वरना आप किसी दूसरी चीज की एक घटिया नकल मात्र रह जाएँगे और एक व्यक्ति या समूह के नाते आपको उसका कोई लाभ नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी है कि कोई केवल जड़ों तक ही सीमित नहीं रह सकता। जड़ों में भी अंकुर फूटकर जब तक ऊपर धूप और खुली हवा में नहीं आते, तो जड़ें भी संकट में पड़ जाती हैं।

सुसंस्कृत मन की जड़ भले ही अपने अंदर ही हो, लेकिन उसे अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खुली रखनी चाहिए। उसमें दूसरे की दृष्टि को पूरी तरह समझने की क्षमता अवश्य होनी चाहिए, भले ही वह उससे हमेशा सहमत न हो। सहमति और असहमति का सवाल तभी उठता है, जब आप किसी चीज को समझते हैं, अन्यथा यह आँख बंद करके स्वीकार करना है, जिसे किसी भी चीज के बारे में सुसंस्कृत दृष्टि नहीं कहा जा सकता।

(i) हमारी जड़ों का अतीत से जुड़ा होना क्यों आवश्यक है?

क) क्योंकि इससे समाज की पहचान होती है	ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) क्योंकि इससे राज्य की पहचान होती है	घ) क्योंकि इससे मनुष्य की पहचान होती है

(ii) लेखक के अनुसार अतीत के अंतर्गत क्या शामिल है?

क) असहमति के तथ्य	ख) जर्जर होती मान्यताएँ
ग) अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव	घ) प्रगति के प्रतिमान

(iii) गद्यांश के अनुसार सुसंस्कृत दृष्टि के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

क) सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से जुड़ी रहती है

ख) सुसंस्कृत दृष्टि समाज की पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है

ग) सुसंस्कृत दृष्टि नई दृष्टि को समझती है

घ) सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है

(iv) सहमति और असहमति का प्रश्न कब उठता है?

क) जब व्यक्ति केवल विरोध करता है

ख) जब व्यक्ति अवचेतन अवस्था में होता है

ग) जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है

घ) जब व्यक्ति में आत्मविश्वास कम होता है

(v) अतीत की आवश्यकता क्यों होती है?

i. पीढ़ियों के अनुभव का लाभ उठाने के लिए
ii. अनेक समझ-बूझ को जानने के लिए
iii. दूसरों की दृष्टि को समझने के लिए
iv. दूसरों की नक़ल करने के लिए

क) कथन i, ii व iv सही हैं

ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन ii सही है

घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं कि नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर, नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों में भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी

कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(i) नैनो-तकनीक के समर्थकों ने क्या संभावनाएँ व्यक्त की हैं?

क) जब नैनो-तकनीक अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा।

ख) धरती का और अधिक विस्तार हो जाएगा।

ग) इनमें से कोई नहीं।

घ) नैनो-तकनीक के आने से धरती एक नए स्वरूप में बदल जाएगी।

(ii) नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का क्या मत है?

क) ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से अधिक शक्तिशाली है।

घ) इसके गंभीर दुष्परिणाम निकल सकते हैं।

(iii) **नैनो-तकनीक** से आप क्या समझते हैं?

i. परमाणु और अणुओं को मिलाकर कुछ नया बनाना।

ii. परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना।

iii. परमाणु व अणुओं को दहाई मानकर नया उत्पाद बनाना।

iv. इनमें से कोई नहीं।

क) विकल्प (iii)

ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (i)

घ) विकल्प (ii)

(iv) मानव प्रकृति का नियंत्रक कैसे बन गया?

क) औद्योगिक क्रांति के कारण।

ख) आर्थिक क्रांति के कारण।

ग) तकनीकी क्रांति के कारण।

घ) सामाजिक क्रांति के कारण।

(v) **कथन (A):** नैनो तकनीक ने आज हमें एक नई तकनीकी क्रांति के सामने ला कर खड़ा कर दिया है।

कारण (R): इस क्रांति के कारण आज हम पुरानी तकनीकी जटिलताओं के अर्थ को कहीं खो बैठे हैं।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) वे मेरे पिता जी हैं और कुर्सी पर बैठे हैं। (मिश्र वाक्य)

क) मेरे पिता जी वे हैं जो कुर्सी पर बैठे हैं।

ख) कुर्सी पर बैठे रहना पिता जी का स्वभाव है।

ग) कुर्सी पर बैठे हुए मेरे पिता जी हैं।

घ) मेरे पिता जी को कुर्सी पर बैठना अच्छा लगता है।

(ii) **मेरे सिवाय सब आगे बढ़ गए।** संयुक्त वाक्य में बदलिए-

क) सभी

ख) सब आगे बढ़ गए परंतु मैं नहीं

ग) मैं सबके आगे बढ़ने प्रतीक्षा करता रहा।

घ) सब आगे बढ़ते रहे और मैं भी आगे बढ़ता रहा।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

क) यद्यपि कल छुट्टी है, इसलिए बाज़ार बंद रहेगा।

ख) जब छुट्टी होगी, तब बाज़ार बंद रहेगा।

ग) छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।

घ) कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

(iv) जब लाइनमैन ने टूटी हुई तारों को जोड़ दिया तब वह चला गया। (सरल वाक्य)

क) टूटी हुई तारों को जोड़ कर लाइनमैन चला गया।

ख) जैसे ही लाइनमैन ने टूटी हुई तारों को जोड़ दिया वैसे ही वह चला गया।

ग) लाइनमैन टूटे तार जोड़ कर चला गया।

घ) लाइनमैन ने टूटी हुई तारों को जोड़ा और चला गया।

(v) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य की पहचान कीजिए-

क) मेरे समझाने पर वह मान गया।

ख) मैंने उसे समझाया और वह मान गया।

ग) मैंने उसे समझाया इसलिए वह मान गया।

घ) जब मैंने उसे समझाया, तब वह मान गया।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **बालक ने पुस्तक पढ़ी होगी।** वाक्य में क्रिया पदबंध है

क) ने

ख) पढ़ी होगी

ग) पुस्तक

घ) बालक

(ii) जब एक से अधिक पद मिलकर किसी सर्वनाम की जानकारी देते हैं तो उसे क्या कहते हैं?

क) संज्ञा पदबंध

ख) सर्वनाम पदबंध

ग) विशेषण पदबंध

घ) क्रिया पदबंध

(iii) <u>**धीरे चलने वाली**</u> गाड़ियाँ प्रायः देर से पहुँचती हैं। - रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) क्रिया पदबंध

ख) विशेषण पदबंध

ग) क्रिया विशेषण पदबंध

घ) संज्ञा पदबंध

(iv) <u>**वह गेंद की तरह लुढ़ककर**</u> गिर गया। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध

ख) संज्ञा पदबंध

ग) क्रिया पदबंध

घ) क्रिया-विशेषण पदबंध

(v) <u>**दयालु लोग**</u> मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षियों पर भी दया करते हैं। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध

ख) संज्ञा पदबंध

ग) क्रिया पदबंध

घ) विशेषण पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) <u>**मृगेंद्र**</u> में कौन-सा समास है?

क) द्विगु

ख) बहुव्रीहि

ग) अव्ययीभाव

घ) द्वंद्व

(ii) इस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं और विग्रह के समय समुच्चयबोधक अव्यय- और,

तथा, या, अथवा आदि का प्रयोग किया जाता है।

क) द्वंद्व समास   ख) अव्ययीभाव समास

ग) कर्मधारय समास   घ) बहुब्रीहि समास

(iii) **घनश्याम** में कौन-सा समास है?

क) अव्ययी समास   ख) द्वंद्व

ग) कर्मधारय   घ) बहुव्रीहि समास

(iv) जिस समास का पूर्वपद (पहलापद) प्रधान हो, उसे कौन-सा समास कहते है?

क) संबंध तत्पुरुष   ख) कर्मधारय

ग) द्वंद्व   घ) अव्ययीभाव

(v) जिस समास में दोनों खंड प्रधान हों, वह समास क्या कहलाता है?

क) बहुव्रीहि   ख) अव्ययी

ग) तत्पुरुष   घ) द्वंद्व

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) गरीब माँ-बाप अपना ________ कर बच्चों को पढ़ाते हैं और वे चिंता नहीं करते। रिक्त-स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए।

क) गला काट   ख) मन लगा

ग) पेट काट   घ) खून बहा

(ii) मैंने पवन की जब पाँच रुपए की मदद की तो उसने कहा कि ________ बहुत होता है। मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

क) डूबते को तिनके का सहारा   ख) अंधों में काना राजा

ग) उड़ते को पंख का सहारा   घ) अपना हाथ जगन्नाथ

(iii) वह स्वभाव से इतना उग्र है कि बात-बात पर ________ है। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) इधर-उधर की हाँकने लगता   ख) आँखे चुरा लेता

ग) तलवार खींच लेता   घ) खिल्ली उड़ाने लगता

(iv) भ्रष्ट नेताओं के कारण कांग्रेस चुनाव **हार गयी**। रेखांकित वाक्यांश के लिए सही मुहावरा है-

क) भूत भगाना
ख) लुटिया डूब जाना
ग) अंतर पट खुलना
घ) अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना

(v) कठिनाई का सामना करना

क) आटे-सब्ज़ी का भाव मालूम होना
ख) दाल-रोटी का भाव मालूम होना
ग) दाल-सब्ज़ी का भाव मालूम होना
घ) आटे-दाल का भाव मालूम होना

(vi) पति की मृत्यु के पश्चात तो उसका पुत्र ही उसके लिए ________ है। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) आँख का काँटा
ख) अंधे की लाठी
ग) आँख का तारा
घ) अंधे की लकड़ी

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **सुखिया सब संसार ... जागै अरु रोवै।** दोहे में **सोना** और **जागना** किसके प्रतीक हैं?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) सोना अवसर को गँवाने का, जागना अवसर का लाभ उठाने का
ग) सोना भोग-विलास का, जागना गरीबी का
घ) सोना अज्ञान का, जागना ज्ञान का

(ii) मीरा किसकी शिष्या थी?

क) संत रैदास
ख) संत दास
ग) संत रविदास
घ) संत रवीश दास

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) पद्यांश में **साथियो** किन्हें कहकर पुकारा गया है?

क) दुश्मनों को

ख) देशवासियों को

ग) नेताओं को

घ) सैनिकों को

(ii) **सर हिमालय का हमने न झुकने दिया** से क्या तात्पर्य है?

क) देश के मान-सम्मान की रक्षा करना

ख) देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर कर देना

ग) देश के मान-सम्मान की रक्षा करना और देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर कर देना

घ) हिमालय को झुकने न देना

(iii) **नब्ज़ जमती गई** से क्या भाव है?

क) ठंड लगना

ख) मृत्यु के समीप होना

ग) साँसें थम जाना

घ) बहुत बर्फ पड़ना

(iv) सैनिकों को किस बात का गम नहीं है?

क) हिमालय का सर झुक जाने का

ख) देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने का

ग) शत्रुओं से हाथ मिलाने का

घ) देश को दुश्मनों के हवाले करने का

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. सैनिकों ने अपने आप को देश के लिए न्योछावर कर दिया।
ii. सैनिकों ने देश के लिए कुर्बानी नहीं दी।
iii. इन कुर्बानियों से देश की गरिमा आहत नहीं हुई।
iv. इन पंक्तियों में देशप्रेम चित्रित है।
v. सैनिकों के बलिदान का कोई भी मोल नहीं है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए

क) (i), (iii), (v)

ख) (i), (ii), (iii), (iv)

ग) (ii), (iii), (v)

घ) (i), (iii), (iv)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** के अभिनेता राज कपूर ने अन्य लोगो की फिल्मो में कैसे काम किया?

क) होश्यारी से

ख) पैसे लेकर

ग) लापरवाही से

घ) बड़ी मेहनत से

(ii) गिन्नी किस लिए चमकती है?

क) पीतल की मिलावट के कारण
ख) रंग के कारण
ग) ताँबे की मिलावट के कारण
घ) पारे की मिलावट के कारण

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बम्बई निवासी डरकर अपने-अपने पूजा स्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे।

(i) पूरे संसार को टुकड़ों में किसने बाँट दिया?

क) धर्म
ख) मनुष्य
ग) पशु
घ) विज्ञान

(ii) पंछियों को बस्तियों से किसने भगाया?

क) मानव ने
ख) तूफान ने
ग) विज्ञान ने
घ) प्रदूषण ने

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): नेचर के गुस्से से सभी बहुत खुश हुए।
कारण (R): बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) बंबई निवासी अपने-अपने पूजा स्थलों में प्रार्थना क्यों करने लगे थे?

क) अन्य जीव-जंतुओं से बचने के लिए
ख) उन्हें धर्म पर विश्वास था
ग) प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए
घ) संसार को टुकड़ों में बाँटने के लिए

(v) बढ़ती हुई आबादी ने क्या करना शुरू किया?

क) प्रकृति को असंतुलित करना
ख) दुनिया के वजूद की खोज
ग) सैलाब और तूफान लाना
घ) दीवारें खड़ी करना

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) तोप कविता के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है?

(ii) 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर कवि की उन विशेषताओं का वर्णन कीजिए, जो जीवनोपयोगी शिक्षा देती हैं।

(iii) सिद्ध कीजिए- पंतजी कल्पना के सुकुमार कवि हैं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है?

(ii) सच्चे देशभक्त में कौन-कौन से गुण होने चाहिए? कारतूस पाठ के संदर्भ में बताइए।

(iii) डॉ. दासगुप्ता जुलूस में घायल लोगों की देख-रेख तो कर ही रहे थे, उनके फ़ोटो भी उतरवा रहे थे। उन लोगों के फ़ोटो खींचने की क्या वजह हो सकती थी? डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) रिश्तों की गर्मी धूमिल हो सकती है लेकिन मिटती नहीं। **हरिहर काका** पाठ के आधार पर इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

(ii) सपनों के-से दिन पाठ में लेखक को स्कूल जाने का उत्साह नहीं होता था क्यों? फिर भी ऐसी कौन-सी बात थी जिस कारण उसे स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(iii) असफलताएँ हमें जीवन में बहुत कुछ सीखने का अवसर देती हैं। अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख करते हुए 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा निदेशालय में प्राथमिक शिक्षकों (अनुबंध आधार पर) से आवेदन-पत्र माँगे गए हैं। सुमन शर्मा की ओर से आप आवेदन-पत्र प्रस्तुत कीजिए। **[5]**

अथवा

अपने क्षेत्र में डाक वितरण की अव्यवस्था की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए तथा डाकिए की शिकायत करते हुए मुख्य डाकपाल को पत्र लिखिए।

15. **हिन्दी साहित्य की उपेक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- हमारी मातृभाषा
- पाठकों का घटता रुझान और कारण
- उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय

अथवा

गरीबों की बस्ती विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- रहन-सहन
- अभावपूर्ण जीवन
- क्या करें?

अथवा

मित्रता विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आवश्यकता
- कौन हो सकता है मित्र
- लाभ

16. आप अपने विद्यालय में विद्यार्थी परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आप अपनी कॉलोनी की कल्याण परिषद् के अध्यक्ष हैं। अपने क्षेत्र के पार्कों की साफ़-सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु कॉलोनी वासियों के लिए 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

17. **जैसी करनी वैसी भरनी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को abcschool@gmail.com एक ईमेल लिखकर स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु अनुरोध कीजिए।

18. ज्वैलरी शॉप के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

शैंपू बनाने वाली कंपनी के मालिक ने विज्ञापन बनाने को दिया है। आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हर मनुष्य या समाज या राज्य के लिए कुछ गहराई का होना और कहीं-न-कहीं उसकी जड़ें होना आवश्यक है। जब तक उनकी जड़ अतीत में न हो तब तक उनकी कोई गिनती नहीं होती और अतीत आखिर पीढ़ियों के अनुभव और कई प्रकार की समझ-बूझ का संचय है। आपके पास इसका होना जरूरी है वरना आप किसी दूसरी चीज की एक घटिया नकल मात्र रह जाएँगे और एक व्यक्ति या समूह के नाते आपको उसका कोई लाभ नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी है कि कोई केवल जड़ों तक ही सीमित नहीं रह सकता। जड़ों में भी अंकुर फूटकर जब तक ऊपर धूप और खुली हवा में नहीं आते, तो जड़ें भी संकट में पड़ जाती हैं।
सुसंस्कृत मन की जड़ भले ही अपने अंदर ही हो, लेकिन उसे अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खुली रखनी चाहिए। उसमें दूसरे की दृष्टि को पूरी तरह समझने की क्षमता अवश्य होनी चाहिए, भले ही वह उससे हमेशा सहमत न हो। सहमति और असहमति का सवाल तभी उठता है, जब आप किसी चीज को समझते हैं, अन्यथा यह आँख बंद करके स्वीकार करना है, जिसे किसी भी चीज के बारे में सुसंस्कृत दृष्टि नहीं कहा जा सकता।

(i) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: हमारी जड़ों का अतीत से जुड़ा होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इससे मनुष्य, समाज और राज्य की पहचान होती है तथा उसका महत्त्व जाना जाता है। यदि मनुष्य की जड़ें अतीत में न हों तो उसका कोई महत्त्व नहीं रहता।
(ii) **(ग)** अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव
व्याख्या: गद्यांश में लेखक के अनुसार अतीत के अंतर्गत अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कई प्रकार की समझ-बूझ भी शामिल होती है।
(iii) **(घ)** सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार सुसंस्कृत दृष्टि के संदर्भ में यह कथन सही नहीं है कि सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है, क्योंकि सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से जुड़ी रहती है। इसमें अतीत के साथ नई दृष्टि की समझ भी होती है।
(iv) **(ग)** जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है
व्याख्या: सहमति और असहमति का प्रश्न तब उठता है जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है। अपनी समझ के अनुसार ही वह किसी चीज के प्रति सहमति और असहमति प्रकट करता है।
(v) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं कि नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर, नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों में भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा

सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(i) **(क)** जब नैनो-तकनीक अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा।
व्याख्या: जब नैनो-तकनीक अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा।

(ii) **(क)** ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।
व्याख्या: ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।

(iii) **(घ)** विकल्प (ii)
व्याख्या: परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना।

(iv) **(क)** औद्योगिक क्रांति के कारण।
व्याख्या: औद्योगिक क्रांति के कारण।

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** मेरे पिता जी वे हैं जो कुर्सी पर बैठे हैं।
व्याख्या: मेरे पिता जी वे हैं जो कुर्सी पर बैठे हैं।

(ii) **(ख)** सब आगे बढ़ गए परंतु मैं नहीं
व्याख्या: सब आगे बढ़ गए परंतु मैं नहीं

(iii) **(घ)** कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'अतः' योजक शब्द से जुड़े हैं और दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है।

(iv) **(ग)** लाइनमैन टूटे तार जोड़ कर चला गया।
व्याख्या: लाइनमैन टूटे तार जोड़ कर चला गया।

(v) **(घ)** जब मैंने उसे समझाया, तब वह मान गया।
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ प्रधान उपवाक्य का प्रभाव आश्रित उपवाक्य पर पड़ रहा है और 'जब-तब' अव्ययों का प्रयोग किया गया है, प्रधान तथा आश्रित उपवाक्य का संबंध।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** पढ़ी होगी
व्याख्या: पढ़ी होगी
(ii) **(ख)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: इस प्रकार से वाक्य में सर्वनाम पदबंध होता है क्योकि वह सभी पद सर्वनाम की जानकारी दे रहे हैं।
(iii) **(ख)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: यहाँ धीरे चलना गाड़ी की विशेष्ता बता रहा है।
(iv) **(घ)** क्रिया-विशेषण पदबंध
व्याख्या: क्रिया-विशेषण पदबंध
(v) **(ख)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** बहुव्रीहि
व्याख्या: बहुव्रीहि
(ii) **(क)** द्वंद्व समास
व्याख्या: द्वंद्व समास - माता और पिता
(iii) **(घ)** बहुव्रीहि समास
व्याख्या: बहुव्रीहि समास
(iv) **(घ)** अव्ययीभाव
व्याख्या: अव्ययीभाव
(v) **(घ)** द्वंद्व
व्याख्या: द्वंद्व

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** पेट काट
व्याख्या: पेट काट
(ii) **(क)** डूबते को तिनके का सहारा
व्याख्या: डूबते को तिनके का सहारा
(iii) **(ग)** तलवार खींच लेता
व्याख्या: तलवार खींच लेता
(iv) **(ख)** लुटिया डूब जाना
व्याख्या: लुटिया डूब जाना
(v) **(घ)** आटे-दाल का भाव मालूम होना
व्याख्या: आटे-दाल का भाव मालूम होना - परिवार की ज़िम्मेदारी सिर पर आते ही रामलाल को आटे-दाल का भाव मालूम पड़ गया।

(vi) **(ख)** अंधे की लाठी
व्याख्या: अंधे की लाठी

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** सोना अज्ञान का, जागना ज्ञान का
व्याख्या: प्रस्तुत पंक्ति में सोना अज्ञान का और जागना ज्ञान का प्रतीक है।
(ii) **(क)** संत रैदास
व्याख्या: मीरा संत रैदास की शिष्या थी।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) **(ख)** देशवासियों को
व्याख्या: देशवासियों को
(ii) **(ग)** देश के मान-सम्मान की रक्षा करना और देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर कर देना
व्याख्या: देश के मान-सम्मान की रक्षा करना और देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर कर देना।
(iii) **(ख)** मृत्यु के समीप होना
व्याख्या: मृत्यु के समीप होना
(iv) **(ख)** देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने का
व्याख्या: देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने का
(v) **(घ)** (i), (iii), (iv)
व्याख्या: सैनिकों ने अपने आप को देश के लिए न्योछावर कर दिया और इससे देश की गरिमा और भी बढ़ गई। इन पंक्तियों में देशप्रेम चित्रित है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** बड़ी मेहनत से
व्याख्या: बड़ी मेहनत से
(ii) **(क)** पीतल की मिलावट के कारण
व्याख्या: गिन्नी पीतल की मिलावट के कारण चमकती है I

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बम्बई निवासी डरकर अपने-अपने पूजा स्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे।

(i) **(ख)** मनुष्य
व्याख्या: मनुष्य
(ii) **(घ)** प्रदूषण ने
व्याख्या: प्रदूषण ने
(iii) **(क)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(iv) **(ग)** प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए
व्याख्या: प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए
(v) **(क)** प्रकृति को असंतुलित करना
व्याख्या: प्रकृति को असंतुलित करना

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) 'तोप' कविता के माध्यम से कवि हमें कई संदेश देना चाहता है कि हमें अपनी विरासतों की रक्षा करते हुए उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इसके अलावा हमें अपनी शक्ति और धन का घमंड किए बिना सभी के साथ विनम्रतापूर्ण व्यवहार करना चाहिए। अपनी शक्ति से कभी भी दूसरों पर अत्याचार नहीं करना चाहिए क्योंकि समय सदा एक-सा नहीं रहता। बुरे कामों में प्रयुक्त शक्ति का अंत हो कर रहता है| शक्ति के बल पर मानव को अधिक दिनों तक दबाया नहीं जा सकता है। किसी को भी अपने बारे में बड़ी बड़ी बातें नहीं बोलनी चाहिए| बुरे कार्यों में प्रयुक्त शक्ति का अंत करने के लिए लोगों को एकजुट होने और बलिदान देने के लिए तैयार रहने का भी संदेश देना चाहता है। मानवशक्ति सबसे प्रबल होती है और वही विजयी हो कर रहती है|

(ii) 'आत्मत्राण' कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हम अपने काम एवं दायित्वों को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ पूर्ण करें। हम अपने कार्यों के लिए ईश्वर पर निर्भर न रहें, बल्कि स्वयं के अंदर ऐसी शक्ति एवं क्षमता विकसित कर लें, जिससे विषम परिस्थितियों एवं कठिनाइयों से जूझने की शक्ति हमारे अंदर मौजूद हो।किसी भी परिस्थिति में हमारा आत्मबल एवं पराक्रम डगमगाए नहीं। हम प्रभु यानी ईश्वर पर कभी भी संशय न करें। उनकी क्षमता असीमित है, लेकिन अपने प्रभु से हमें अपने दुःखों को हरने की, समाप्त करने की प्रार्थना नहीं करनी

चाहिए। हमें स्वयं की क्षमता पर विश्वास रखना चाहिए और अपने जीवन की विषम परिस्थितियों का स्वयं ही डटकर सामना करना चाहिए।
वास्तव में, हमें अपने ईश्वर या प्रभु से विषम परिस्थितियों में कठिनाइयों से सामना करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करनी चाहिए,जिससे हम अपनी मुसीबत के समय अपना धैर्य बनाए रखे और कठिनाइयों से भागने के बदले उनका सामना कर सके। हमें ईश्वर की क्षमता पर संशय न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करने तथा शक्ति एवं साहस प्रदान करने की प्रार्थना करनी चाहिए, ताकि हम अपनी मुसीबतों से स्वयं ही संघर्ष कर सकें।

(iii) पंतजी कल्पना-लोक के सुकुमार कवि थे। उनकी कल्पनाएँ मन को छू लेने वाली और सुकोमल हैं। उन्होंने अपनी कविता में प्रकृति को एक मनुष्य की तरह क्रियाशील बताया है। उन्होंने पहाड़ को तालाब में स्वयं को निहारता हुआ दिखाया है, पेड़ को हमारी उच्चाकांक्षाओं जैसे गहन चिंतन-मुद्रा में खड़ा हुआ, झरने को गौरव गाथा गाता हुआ, शाल के वृक्षों को भय से धँसा हुआ, बादलों को पारे के समान चमकीले पंख फड़-फड़ाकर उड़ता हुआ और आक्रमण करता हुआ दिखाया है। ये सब कल्पनाएँ गतिशील, मौलिक एवं नवीन हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव को किताबी ज्ञान से अधिक महत्त्वपूर्ण माना है। उनके अनुसार, अनुभव से ही मनुष्य को जीवन की सही समझ आती है। घर के छोटे-बड़े काम से लेकर घर के बाहर के विशेषज्ञतापूर्ण कार्यों में अनुभव ही काम आता है। उन्होंने अनुभव को महत्त्वपूर्ण बताने के लिए दादाजी, अम्माजी और हेडमास्टर साहब का उदाहरण दिया है।

(ii) सच्चा देशभक्त वही होता है जो अपने देश, उसकी स्वतंत्रता, स्वाभिमान और गौरवमयी अखंडता से प्रेम करता है। इसके लिए वह अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहता है। देश-प्रेम प्रकट करने के लिए शत्रु से युद्ध करना ही आवश्यक नहीं है।-प्रस्तुत पाठ के अंतर्गत वज़ीर अली को एक सच्चा देशभक्त दिखाया गया है। देश की खातिर उसने अपनी राजगद्दी तक दांव पर लगा दी। अपने प्राणों की परवाह किए बिना उसने दिलेरी से दुश्मन का सामना किया। अतः एक देशभक्त में बहादुरी ,दृढ़-निश्चय, ज़ाँबाजी ,वफ़ादारी, लगन, हिम्मत और हौसला आदि गुणों का होना आवश्यक है।
अपने देश के शक्तिबोध व सौंदर्य-बोध को बनाए रखकर भी हम अपना देश-प्रेम प्रकट कर सकते हैं अर्थात् यदि हम् अपने देश की तुलना दूसरे देशों से करके उसकी कमियों को उजागर नहीं करते हैं, तो हम उसका शक्तिबोध बढ़ाते हैं और यदि सार्वजनिक स्थानों को साफ़ रखते हैं, घर के बाहर, गली, सड़कों को साफ़ रखते हैं, बाहर जाकर अनुशासन में रहते हैं, तो भी हम देश-प्रेम का परिचय देते हैं|

(iii) डॉ. दासगुप्ता द्वारा जुलूस में घायल लोगों की फोटो उतरवाने की निम्नलिखित वजहें हो सकती हैं-
i. वह अंग्रेज़ी शासन किस प्रकार अत्याचार करती है इस बात के प्रमाण जुटा रहे थे।
ii. यह फोटो देखकर आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष बलिदान देने की प्रेरणा मिले।
iii. भविष्य के लिए इन चित्र को संगृहीत करना चाहते थे।
iv. इससे यह भी पता चल सकता था कि बंगाल में स्वतंत्रता की लड़ाई में बहुत काम हो रहा है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) इस कथन से लेखक कहना चाहते हैं की रिश्तों पर कुछ समय के लिए स्वार्थ और लालच के कारण धूल ज़रूर जम जाती है लेकिन वे कभी भी खत्म नहीं होते I आवश्यकता पड़ने पर वही

रिश्ते हमारे काम आते हैं , हमारी सहायता करते हैं और हमारा सहारा बनते हैं। इसलिए लेखक कहते हैं कि रिश्ते थोड़े समय के लिए स्वार्थ के कारण धूमिल हो सकते हैं लेकिन रिश्तों के मूल्य और मानवीयता उन्हें जोड़कर रखती है।

(ii) पाठ के अनुसार बचपने में लेखक कभी अपनी खुशी से स्कूल नहीं जाते थे। उनके मित्रों की तरह वे भी रोते-चीखते स्कूल जाते थे। उनके मन में हमेशा स्कूल के प्रति एक प्रकार का भय समाया रहता था। कुछ बच्चे अपनी किताबों और कॉपियों को तालाब में फेंककर हमेशा के लिए पढ़ाई से छुट्टी पा जाते थे और अभिभावक भी बच्चों को पढ़ाने में कोई खास रुचि नहीं रखते थे। स्कूल में लेखक को अपना जीवन नीरस तथा कैदी सा प्रतीत होता था।
किन्तु चौथी क्लास के बाद जब लेखक को स्काउटिंग परेड करने का मौका मिला। परेड के दौरान फ़ौज के जवानों की तरह धुली हुई वर्दियों को पहनना एक फ़ौजी का अनुभव कराता था। नीली-पीली झंडियों को हिलाते हुए परेड करना उन्हें अच्छा लगता था। लेखक को परेड में भाग लेना अच्छा लगने लगा और इस कारण स्कूल के प्रति उनका आकर्षण बढ़ गया|

(iii) यह बात पूरी तरह सच है कि असफलताएँ हमें जीवन में बहुत कुछ सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। असफल होने के बाद व्यक्ति के अंदर अनेक परिवर्तन आते हैं।इसी कारण से असफल व्यक्ति सफलता प्राप्त करने के लिए दोगुना प्रयास करता है। असफलता की पीड़ा उसे सफलता पाने के प्रयास करते रहने को प्रेरित करती है।ये भी सत्य है कि सफलता का मार्ग असफलता से होकर ही गुजरता है।
मुझे आज भी याद है, जब मैं सातवीं कक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया था, जिसके कारण मेरे सभी दोस्तों एवं पड़ोसियों ने मेरा काफ़ी मज़ाक उड़ाया। स्थिति इतनी बदतर होने लगी थी कि मैंने घर से निकलना भी काफ़ी कम कर दिया। अपने दोस्तों के साथ मैं खेलने भी नहीं जाता था। इसका परिणाम यह हुआ कि मैं अंतर्मुखी बनने लगा। मुझे लोगों के बीच जाना अच्छा नहीं लगता था। एक दिन मेरी माँ ने मुझे बहुत समझाया और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मैंने इतनी मेहनत से पढ़ाई की कि अगले वर्ष की परीक्षा में मैं अपनी कक्षा में प्रथम आया। मैंने अपने परिश्रम से मज़ाक उड़ाने वालों का मुँह बंद कर दिया।
इसका सर्वाधिक लाभप्रद परिणाम यह निकला कि अब कोई भी परीक्षा हो, मेरी तैयारी इतनी ज़बरदस्त रहती है कि हमेशा प्रथम तीन लोगों में मेरा नाम रहता है। वह सिलसिला अभी तक चल रहा है। 'टोपी शुक्ला' कहानी में भी टोपी शुक्ला किसी-न-किसी कारण से बार-बार फेल हो जाता है, लेकिन अंततः वह प्रतिकूल माहौल रहने के बावजूद परिश्रम करके सफल हो जाता है। हम सबको अपनी असफलता से प्रेरणा लेकर सफलता प्राप्त करनी चाहिए और कभी भी जीवन में निराश नहीं होना चाहिए।हमें इस पाठ से ये भी सीख मिलती है।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. B-4/25 गोविन्दनगर,
दिल्ली।
28 फरवरी, 20xx
शिक्षा निदेशक महोदय,
पुराना सचिवालय,
दिल्ली।
विषय- प्राथमिक शिक्षिका हेतु आवेदन पत्र
महोदय,
दिनांक 27 फरवरी, 20XX के दैनिक जागरण समाचार में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि निदेशालय को प्राथमिक शिक्षकों की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर

रही हूँ, मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-
नाम - सुमन शर्मा
पति का नाम - श्रवण कुमार
जन्म तिथि - 14-11-1982

शैक्षिक योग्यताएँ -	XI	सी.बी.एस.ई. 1995	प्रथम श्रेणी 65%
	XII	नेशनल ओपन स्कूल 1997	द्वितीय श्रेणी 58%
	बी.ए.	पत्राचार संस्थान दिल्ली 2000	द्वितीय श्रेणी 55%
व्यावसायिक योग्यता -	जे.बी.टी.	डाइट दिल्ली 2003	प्रथम श्रेणी 65%
	एम.ए.	पत्राचार संस्थान दिल्ली 2006	द्वितीय श्रेणी 58%

अनुभव - 15 जुलाई, 2007 से अब तक हैप्पी पब्लिक स्कूल में प्राथमिक शिक्षिका के रूप में कार्यरत।
आशा है कि मेरी योग्यताओं पर विचार करते हुए आप सेवा का अवसर अवश्य देंगे।
सधन्यवाद।
प्रार्थिनी
सुमन शर्मा

अथवा

मुख्य डाकपाल महोदय,
छपरा बिहार।
01 मार्च, 2019
विषय- डाक-वितरण की अव्यवस्था तथा डाकिए की शिकायत के संबंध में
महोदय,
मैं आपका ध्यान रामगढ़ गाँव की डाक वितरण में होने वाली लापरवाही तथा डाकिए के गैर जिम्मेदारानापूर्ण व्यवहार की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।
श्रीमान जी, यहाँ आपके विभाग द्वारा नियुक्त डाकिया नफेसिंह अपने दायित्व को जिम्मेदारीपूर्वक नहीं निभा रहा है। वह हमारे पत्रों को बाँटने में अत्यंत लापरवाही दिखाता है। वह घर-घर पत्र देने या घरों के बाहर लगे बॉक्स में पत्र डालने के बजाए गली के बाहर खेल रहे बच्चे को थमा जाता है या गली में फेंककर चला जाता है। यह काम भी वह प्रतिदिन नहीं करता है। वह सप्ताह या पंद्रह दिन में एक बार आता है और लापरवाही से पत्र देकर चला जाता है। कई बार लोगों को साक्षात्कार के लिए बुलाबा-पत्र, न्यायालय का पत्र, नियुक्ति-पत्र आदि समय बीतने के बाद मिलते हैं जिनका कोई महत्त्व नहीं रह जाता है, और व्यक्ति हाथ मलता रह जाता है।
आपसे प्रार्थना है कि डाक वितरण व्यवस्था को ठीक बनाने एवं इस डाकिए के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।
भवदीय,
गोविन्द सिंह,
27/5 रामगढ़, बिहार।

15. **हमारी मातृभाषा -** किसी देश की वह भाषा जिसका प्रयोग उस देश के लगभग सभी राज्यों, क्षेत्रों, नगरों और गाँव के लोगों के द्वारा किया जाता है वह मातृ भाषा कहलाती है। हिन्दी भाषा भारत की मातृ भाषा व राष्ट्र भाषा दोनों पदों पर आसीन है। हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में भारत की आधिकारिक राष्ट्र भाषा का स्थान प्राप्त है।
पाठकों का घटता रुझान और कारण - स्वतंत्रता के पश्चात् इस भाषा के साहित्यिक पक्ष की लोग

उपेक्षा कर रहे हैं। वर्तमान समय में भी इसके साहित्य के प्रति लोगों का रुझान घटता जा रहा है। लोग हिन्दी साहित्य को छोड़कर विदेशी साहित्य के मनोरंजन के प्रधान साधन सिनेमा की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। उन्हें कविताओं के स्थान पर फिल्मी गानों की धुनें अधिक याद रहती हैं। इसकी उपेक्षा के मूल कारण हैं - हिन्दी साहित्य के प्रचार-प्रसार में कमी, दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों में इससे संबंधित कार्यक्रमों का अभाव व विद्यालयों में हिन्दी पर कम ध्यान दिया जाना। यदि यही स्थिति रही तो एक दिन हिन्दी साहित्य अपना अस्तित्व खो देगा।
उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय - इसके अस्तित्व को बचाने व लोगों में इसके प्रति रूचि बढ़ाने के लिए इसके प्रचार-प्रसार पर अधिक बल देना होगा। दूरदर्शन के कार्यक्रमों में इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों को स्थान देना होगा। काव्य गोष्ठियों का आयोजन करना होगा। कवि सम्मेलनों का आयोजन करना होगा व इन सबसे ऊपर कवियों का सम्मान करना होगा तभी हिन्दी साहित्य को पुनः अपना स्थान प्राप्त होगा।

अथवा

हमारे नगर की दक्षिण दिशा में गरीबों की बस्ती है। इसमें अधिकतर वे लोग रहते हैं जो हाथ के कारीगर हैं। राज-मिस्त्री, मजदूर, प्रेस वाले, सब्जी का ठेला लगाने वाले, बढ़ई, फल बेचने वाले, बर्फ का ठेला लगाने वाले इस बस्ती की झुग्गी-झोंपड़ी में निवास करते हैं। किसी के पास भी रहने का अपना पक्का मकान नहीं है। वे रोज़ कमाने वाले, रोज़ खाने वाले लोग हैं। परिवार में सदस्यों की संख्या अधिक होने से वहाँ निरंतर अभाव रहता है कभी दाल बन गयी, तो कभी सब्जी, तो कभी सूखी रोटी अचार से खा ली। साफ-सफाई का प्रबंध भी वहाँ नहीं है तथा स्कूल जाने की उम्र में ही बच्चों को काम पर लगा दिया जाता है जिससे परिवार की आमदनी बढ़ सके।
उनके लिए स्वच्छ, सार्वजनिक शौचालय बनाये जाने चाहिए, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए, तथा बच्चों को स्कूल भेजना चाहिए। परिवार नियोजन पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है तभी उनकी दशा में कुछ सुधार हो सकता है।

अथवा

दोस्त हमारे जीवन का वह हिस्सा हैं जिन्हें हम खुद चुनते हैं। जितना जरूरी जीवन में परिवार का होना है उतना ही जरूरी मित्र का होना भी है। सच्चे मित्र जीवन में हर मोड़ पर हमें सहायता और मार्गदर्शन देते हैं। मित्र हमें भावनात्मक समर्थन देते हैं जो हमें हमारे विशेष होने का अहसास कराते हैं। यदि हमारे पास सच्चे मित्र हैं तो जीवन अधिक मनोरंजक और सहनशील बन जाता है। मित्र हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है अतः मित्र का होना बहुत ही आवश्यक है। सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। सच्चा मित्र वही हो सकता है जो दिल से आपको अपना माने। सच्चा मित्र वही है जो कभी हमारे सामने दिखावा नहीं करता हो और न ही झूठ बोलता हो। जो दुख और सुख में कभी साथ नहीं छोड़ता हो और पीठ पीछे बुराई न करता हो। जो कभी मित्रता में छल-कपट न करे तथा मित्र को अवगुणों व कुसंगति से छुटकारा दिलाने हेतु प्रयत्नशील रहे। मानव जीवन में मित्रता से अनेक लाभ होते हैं। मित्र के समान समाज में सुख और आनंद देने वाला दूसरा कोई नहीं है। दुख के दिनों में मित्र को देखते ही हृदय में शक्ति का संचार होता है। अधीरता और व्याकुलता प्राणों के भीतर से भाग जाती है और निराश मन के भीतर आशा की ज्योति जलने लगती है। जब विपत्ति में सब साथ छोड़ देते हैं तब वह हमारे साथ खड़ा रहता है। मित्र के बिना जीवन नीरस रहता है।

बसंत पब्लिक स्कूल, दिल्ली
सूचना

दिनांक: 20 अगस्त, 20
चित्रकला का आयोजन

16. विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 25 अगस्त को दोपहर 2:00 बजे से हमारे विद्यालय के खेल मैदान में चित्रकला का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आग्रह है कि वह इस समारोह में अवश्य उपस्थित हो। जिससे यह प्रतियोगिता सफल हो सके।

आज्ञा से

गिरीश सिंह राठौर

विद्यालय सचिव

अथवा

गोविन्द नगर, स्वयं कॉलोनी

आवश्यक सूचना

तिथि - 21-08-20

विदित हो कि दिनांक 29-08-20 शनिवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 4 बजे तक कॉलोनी के आसपास के पार्कों की साफ़-सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए उस क्षेत्र के सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे इस स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ। इस अभियान में हमारे साथ नगर के अन्य सरकारी सफाई कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

सधन्यवाद

निवेदक

अध्यक्ष

कल्याण परिषद

17. **जैसी करनी वैसी भरनी**

ये उस समय की बात है जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मैं औसत वाला लड़का था। मेरी कक्षा में एक और लड़का था, जो पूरे स्कूल में अव्वल आता था। सारे शिक्षक भी उसकी तारीफ करते रहते थे। उसके प्रति मेरे मन में ईर्ष्या की भावना रहती थी। मैं ऐसे मौके की तलाश में रहता था, जब मैं उसे नीचा दिखा सकूँ। बहुत जल्द ही वो मौका मेरे सामने आ गया। हमारे स्कूल में एक परीक्षा का आयोजन हुआ, इसमें उत्तीर्ण होने वालों को सम्मानित किया जाता और आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृति मिलने वाली थी। मेरी चालाकी से उसके पास से नकल करने का कुछ सामान हमारे शिक्षक को मिल गया और उसे परीक्षा से बर्खास्त कर दिया गया। वहाँ पर तो मैं उत्तीर्ण हो गया, लेकिन बहुत जल्द ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ। जब आगे की परीक्षा में मैं उत्तीर्ण नहीं हो पाया और मुझे उससे बाहर कर दिया गया। तब मुझे ये समझ में आ गया कि हम दूसरों के साथ जैसा करते हैं, हमारे साथ भी वैसा ही होता है।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com

To: abcschool@gmail.com

CC ...

BCC ...

विषय - स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने इस वर्ष आपके विद्यालय से कक्षा नौवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है और मैं अभी दसवीं कक्षा में अध्ययनरत हूँ। मेरे पिताजी का स्थानांतरण करनाल हो जाने के कारण मुझे भी अपने परिवार के साथ वहाँ जाना होगा और वही के विद्यालय में दसवीं कक्षा में प्रवेश लेना होगा। इसके लिए मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।

आपसे निवेदन है कि मुझे मेरा स्थानांतरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाए, जिसमें मेरी शैक्षणिक योग्यताओं के अतिरिक्त खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया हो। यह मुझे वहाँ प्रवेश दिलाने में अतिरिक्त मदद करेगा।

पवन

"चमचमाते नगीनों से चमकते
सोने व डायमण्ड ज्वैलरी से दमकते
हर रेंज़ में कराते हैं उपलब्ध
द वेडिंग ज्वैलरी कलेक्शन।"

""""चंचल ज्वैलर्स""""

हमारे यहाँ बहुत ही कम कीमत में गहने तैयार किये जाते हैं।

18. **शाखाएँ:** दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद

अथवा

सिर्फ 125 रूपये

"बालों का रखे ख़याल
दे मज़बूती बेमिसाल
कीमत है कम
लेकिन इसमें है दम।"

बालों को रखे चमकदार और टूटने से बचाए

केश शैंपू

दो के साथ
एक कंडीशनर फ्री